प्रश्न सं. [क्र. 1846]

परिशिष्ट-''अ''

विधान सभा प्रश्न क्रमांक 1846 अतारांकित

नगर पालिक निगम इंदौर- नदी/नालों में मिलने वाले सीवरेज को ट्रेप करने हेतु समानान्तर लाईनें बिछाकर सीवर के आउटफाल जोड़ने का कार्य किया गया। कुछ छूटे हुये घरेलू आउटफाल जोड़ने एवं संधारण का कार्य नियमित रूप से किया जा रहा है।

नगर पालिक निगम उज्जैन-

- अमृत मिशन 1.0 अंतर्गत 438.10 करोड़ की सीवरेज परियोजना का कार्य प्रगतिरत है। जिसमें सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट 100 प्रतिशत, सीवेज पंपिंग स्टेशन 99 प्रतिशत, ट्रंकमेन 98 प्रतिशत पूर्ण कर, नेटवर्क, आई.सी., मैनहोल के शेष कार्य प्रगतिरत है।
- अमृत मिशन 2.0 अंतर्गत 313.02 करोड़ की नगर निगम क्षेत्र एवं 88.70 करोड़ की नगर निगम क्षेत्र के बाहर (हाटकेश्वर चिंतामण, आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज) हेतु सीवरेज कार्य की निविदा जारी की गई है।

नगर पालिक निगम देवास-

देवास शहर की नागधम्मन नदी एवं मेंढकी नाले का पानी वर्षाकाल के दौरान क्षिप्रा नदी में मिलता है।

1. नागधम्मन नदी क्षिप्रा नदी में मिलती है, जिसका वर्षाकालीन पानी उक्त नदी में मिलता है। शेष समयावधि में नदी अधिकतर सूखी रहती है। नागधम्मन नदी में बहने वाले प्रदूषित जल का शुद्धिकरण किये जाने हेतु 22 एमएलडी एसटीपी प्लांट के समीप 10 एम.एल.डी. इंटेकवेल का निर्माण किया जा रहा है। जिससे दूषित जल के शुद्धिकरण करने हेतु 22 एमएलडी एसटीपी प्लांट से जोडा जावेगा। वर्तमान में इंटेकवेल का कार्य प्रगतिरत है।
2. मेंढकी नाले पर स्टाप डेम निर्माण कार्य हेतु सिंहस्थ मद अंतर्गत कार्ययोजना तैयार की गई है।
3. वर्तमान में देवास शहर के सीवरेज जल के शुद्धिकरण हेतु ट्रीटमेंट प्लांटों एवं सीवर लाइन हेतु शासन की अमृत 2.0 योजना अंतर्गत राशि रू. 5778.78 लाख की निविदा आमंत्रित की गई है।

जल संसाधन विभाग- क्षिप्रा शुद्धिकरण हेतु कान्ह नदी के दूषित जल को क्षिप्रा में मिलने से रोकने हेतु ''कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना'' का कार्य प्रगतिरत है।

अनुभाग अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन
नगरीय विकास एवं पर्यावरण विभाग

Sub-Engineer
Urban Administration
& Development

परिशिष्ट-''ब''

विधान सभा प्रश्न क्रमांक 1846 अतारांकित

नगर पालिक निगम इंदौर- कान्ह नदी का दूषित जल पवित्र क्षिप्रा नदी में न मिले इस हेतु कान्ह नदी को पुर्नजीवित करने के निरंतर प्रयासों के तहत् नदी/नालों में विगत वर्षो से छूटे हुये सार्वजनिक एवं घरेलू सीवर आउटफाल्स को ट्रैप करने हेतु पृथक-पृथक योजनाओं में चरणबद्ध एवं निगम के वित्तीय प्रबंधन अनुसार प्रायमरी सीवर लाईन, सेकेण्ड्री सीवर लाईन, कालोनियों एवं मोहल्लों की सीवर लाईनों को जोड़ने के लिये इंटर कनेक्शन हेतु मुख्य सीवर लाईनें बिछाई गई एवं नदियों व नालों में मिलने वाले सीवर के 1746 सार्वजनिक एवं 5624 घरेलू आउटफाल कुल 7370 आउटफाल्स ट्रैप कर लिये गये है एवं शहर में 10 एस.टी.पी. स्थापित किये गये है, जिनकी क्षमता 412.5 है, जिनसे सीवेज का ट्रीटमेंट किया जा रहा है।

जल संसाधन विभाग- कान्ह नदी का दूषित जल पवित्र क्षिप्रा नदी में मिलने से रोकने के लिए पूर्व निर्मित कान्ह डायवर्जन योजना द्वारा दूषित जल व्यपवर्तित किया जाता है एवं शनि मंदिर के पास आवश्यकतानुसार मिट्टी का कच्चा बंड बनाया जाकर दूषित पानी को क्षिप्रा में मिलने से रोका जाता है।

अनुभाग अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन
नगरीय विकास एवं पर्यावरण विभाग

Sub-Engineer
Urban Administration
& Development

परिशिष्ट-''स''

विधान सभा प्रश्न क्रमांक 1846 अतारांकित

नगर पालिक निगम इंदौर- नमागि गंगे परियोजना के अन्तर्गत क्षिप्रा नदी में मिलने वाले कनाड़िया नाले के सीवर को रोकने हेतु ग्राम कनाड़िया के समीप 40 एम.एल.डी. क्षमता के एस.टी.पी. का निर्माण एवं उपचारित जल के पुर्नउपयोग हेतु ओ.एच.टी. निर्माण व लाईनें बिछाने का कार्य एवं शहर की अत्याधिक बढ़ती जनसंख्या के दृष्टिगत लक्ष्मीबाई प्रतिमा क्षेत्र में 35 एम.एल.डी. तथा कबीटखेड़ी में 120 एम.एल.डी. क्षमता का एस.टी.पी. का निर्माण व उपचारित जल के पुर्नउपयोग हेतु ओ.एच.टी. निर्माण व लाईनें बिछाने के कार्य की निविदा स्वीकृति राज्य शासन के माध्यम से नमामि गंगे परियोजना में स्वीकृति हेतु भेजने की कार्यवाही प्रचलित है।

नगर पालिक निगम उज्जैन- नमामि गंगे अंतर्गत पिलियाखाल नाले पर 22 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट एवं भेरूगढ़ पर 2.38 एमएलडी एटीपी का निर्माण Interception and Diversion से किये जाने हेतु निविदा जारी की गई है।

नगर पालिक निगम देवास- देवास शहर के प्रदूषित पानी (सीवरेज) की रोकथाम हेतु राशि रू. 4113.19 लाख की सीवरेज योजना वर्ष 2055 को दृष्टिगत रखते हुए तैयार की गई है।

अनुभाग अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन
नगरीय विकास एवं पर्यावरण विभाग

Sub-Engineer
Urban Administration
& Development